Regarding development of temples in small districts and promotion of Sanskrit language)-laid

श्री शशांक मणि **(**देवरिया**) :** देवरिया जिला, देवरहीमाता मंदिर, पैकौलीमहाराज कुटी और देवराहाबाबा मंदिर जैसे कई सांस्कृतिक रूप से समृद्ध स्थलों का गढ़ है । मेरा संसदीय क्षेत्र देवरिया (उत्तर प्रदेश) फाजिलनगर और तमकुहीराज, बौद्ध और जैन धर्म के लोगों के लिए विशेष महत्व रखता है । फाजिलनगर,भगवान महावीर की निर्वाण स्थली और तुर्कपट्टी में प्राचीन सूर्यमंदिर का घर है । तमकुहीराज सुंदर नारायणी नदी के पास स्थित है । कुशीनगर, जहां बुद्ध ने महापरिनिर्वाण प्राप्त किया, बौद्ध भक्तों को आकर्षित करता है । देवरिया संस्कृत का गढ़ रहा है, जो बहुत लम्बे समय से संस्कृत विद्वानों को आकर्षित करता रहा है जिसके पुनरुत्थान के लिए मैंने अपने लोक सभा क्षेत्र में काम करना शुरू कर दिया है । मैं माननीय संस्कृति मंत्री, भारत सरकार एवं अन्य सभी सदस्यों का ध्यान निम्नलिखित पर आकर्षित करना चाहता हूँ :-

· छोटे जिलों में मंदिरों के विकास से संस्कृत,संस्कृति और सांस्कृतिक पर्यटन को जमीनी स्तर पर मजबूती दी जाये ।

· छोटे जिलों में सांस्कृतिक पर्यटन उद्देश्यों के लिए मंदिरों के पुनरुत्थान के लिए नीतियां बनाई जायें ।

· इन मंदिरों के आसपास संस्कृत भाषा को प्रोत्साहित किया जाये, ताकि संस्कृतिक अर्थव्यवस्था को स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा सके ।